जनपद में तरल अपशिष्ट प्रबन्धन(एल0डब्लू0एम0) के प्रचालन एवं रख–रखाव व्यवस्था का संक्षिप्त विवरण।

जनपद–बांदा

जनपद बांदा के कुल 469 ग्राम पंचायतों के 643 ग्रामों को वित्तीय वर्ष 2024–25 तक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि प्राप्त हो चुकी हैं। सभी में कार्य प्रगति पर है। वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु कोई भी ग्राम स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण मद से धनराशि प्राप्त होने हेतु अवशेष नहीं है।

तरल अपषिश्ट प्रबंधनः– तरल अपशिष्ट प्रबंधन इस कार्यक्रम कें मुख्य घटकों में से एक घटक हैं। गांव को स्वच्छ बनाने के लिए यह आवश्यक है कि आई0ई0सी0 सम्बंधी गतिविधियों में तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान केन्द्रित किया जाए ताकि आबादी के बीच इन क्रियाकलापों के लिए महसूस की गयी आवश्यकता पैदा की जा सके। इससे अपशिष्ट के वैज्ञानिक निपटान के लिए तंत्र की स्थापना इस प्रकार होगी, जिसका आबादी पर प्रत्यक्ष प्रभाव पडता है। समुदाय/ ग्राम पंचायत कों आगे आने और ऐसे तंत्र की मांग करने के लिए प्रेरित करना होगा जिसका उन्हें बांद में परिचालन एवं अनुश्रवण करना है। ग्राम पंचायत को स्वच्छ बनाये जाने हेतु प्रत्येक परिवारों को एल0डब्ल्यू0एम0 में कार्यो से जोडा जा रहा है, ग्राम पंचायतों को खुले में जल जमाव से मुक्त करते हुए ग्राम पंचायतों को ओ0डी0एफ0 प्लस के अन्तर्गत स्वच्छ बनाये जाने का कार्य किया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण फेज–2 एल0डब्ल्यू0एम0 योजनान्तर्गत ग्राम पचायतों में तरल अपशिष्ट के निस्तारण हेतु साके पिट, नाली निर्माण, व वेस्ट स्टेबेलाईजेशन पाण्ड सिल्ट केचर, फिल्टर चेम्बर का निर्माण कराया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में तरल अपशिष्ट के निस्तारण हेतु तीन तालाब का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें ग्राम पंचायतों से निकलने वाली गंदे पानी एवं वर्षा श्रतु के जल को नालियों के माध्यम से तीन तालाब तक पहुॅचाया जा रहा है, जिसे पहले तालाब में एकत्रित किया जाता है, जहॉ पर गंदगी नीचे बैठ जाता है और पहला तालाब भरने के बाद पानी दूसरे तालाब में जाता है, दूसरे तालाब में पानी स्वच्छ होने के पश्चात तीसरे तालाब में जाता है, जिसे पशुओं के पीने एवं सिंचाई के उपयोग मे लाया जाता है। तालाब में पानी एकत्रित करने से ग्राम पंचायत का जल स्तर भी बढता है। ग्राम पंचायतों में तरल अपशिष्ट के निस्तारण हेतु जिन घरों को नालियों से नहीं जोड़ा गया है वहॉ पर सामुदायिक एवं व्यक्तिगत सोक पिट का निर्माण कराया जा रहा है जिससे घर से निकलने वाले गन्दें पानी को खुले में फैलने से रोका जा रहा हैं और उसका उचित निस्तारण हेतु सोक पिट का निर्माण कार्य कराया गया है जिससे ग्राम पंचायतों में गंदा पानी से होने वाली बीमारियॉ को फैलने से रोकने एवं मच्छरों को बढने से रोकने में सहायता मिल रही है, जिसका रख–रखाव ग्राम पंचायत द्वारा किया जा रहा है।